CIVIC ACTION TEAMS

Coronavirus CivActs Campaign presents

FAIR FACTS

अंक ११०

३१ ।०२ ।२०७८

काठमाण्डौके ग्राण्डी अन्तरराष्ट्रिय अस्पतालमे कोभिड - १९ विरुद्ध खोप लगाब गेलके भीड ।

तस्विर: बिकिन घिमिरे

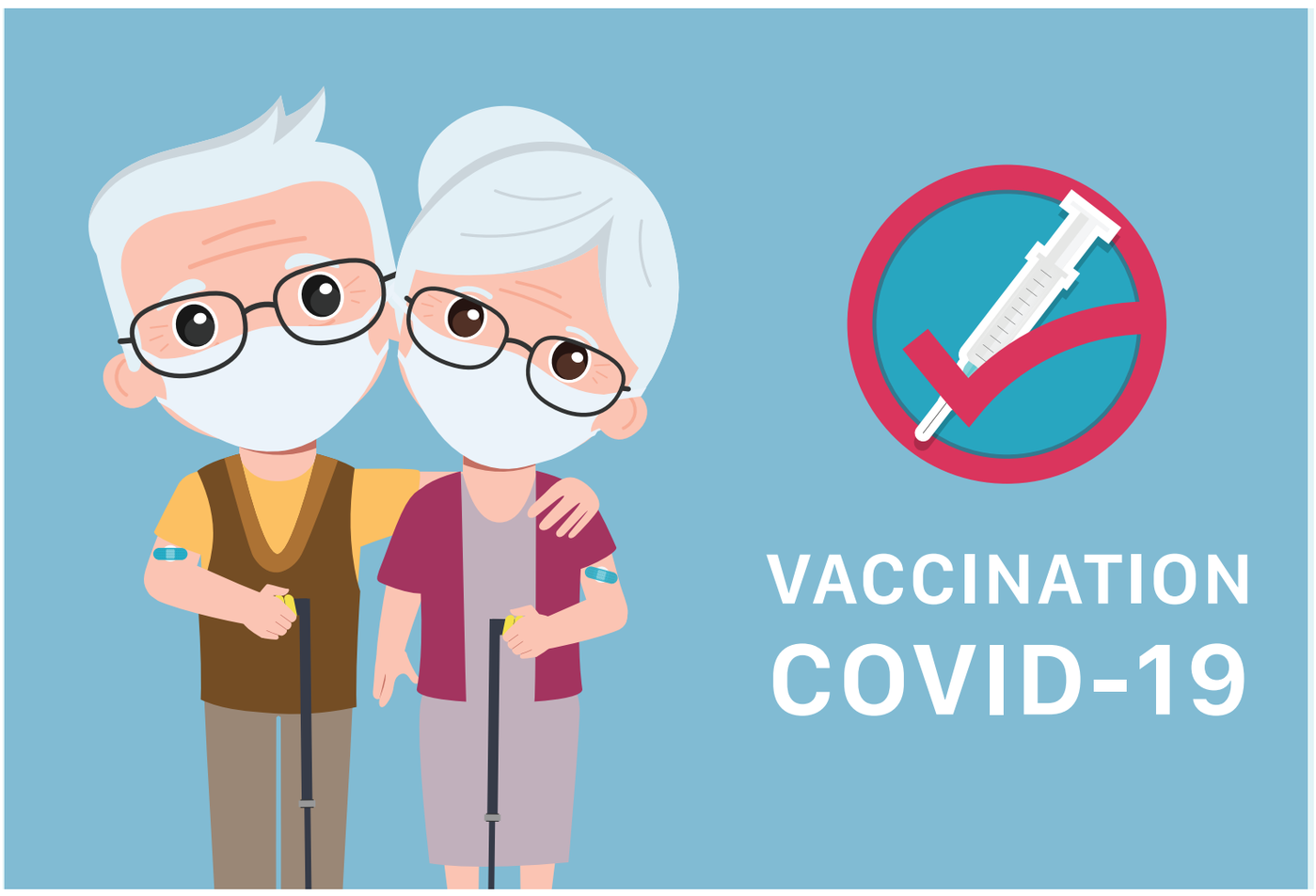

६० सँ ६४ वर्ष उमेर समुहके आदमीसभके लगाएब कहने खोप ६२ वर्ष सँ ६४ वर्ष उमेर समुहके मात्रे लगलै ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

अई अंक भित्तर

सरकार कोभिडके रोगीके ईलाज नि:शुल्क कहैत अछि, अस्पताल बिना पैसा लेने ईलाज नै करैत छै ।

सशुल्क सेवा लेब कहिक लिखित रुपमे सहमतीपत्र केलाके बाद मात्रे सम्बन्धित अस्पताल शुल्क लेब पाओत ।

कोभिड हिरो डा.गगनराज चौधरी

दिनके १० टा रोगी नै आबवला स्वास्थ्य केन्द्रमे अखन प्रत्येक दिन १५० टा सँ बेसी रोगीसभ आबिरहल छै ।

लकडाउनमे स्वास्थ्यकर्मीद्वारा पारिश्रमिक, भत्ता आ सुरक्षा मांग करैत विरोध

१४ मार्च, २०२० मे स्वास्थ्यकर्मीके प्रोत्साहित करके योजना बनेने देखाईत छै

फ्याक्ट सिट

कोभिड - १९ विरुद्ध लड् सरकारद्वारा विनियोजित कण्लगेल बजेट

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिडसँ सम्बन्धित

भेन्टिलेटर, टेष्ट किट, आईसियु आ एचडियु उपकरणसभ किन
रु. ४ अर्ब

खोप व्यवस्थापन कर
रु. २६ अर्ब ७५ करोड

कोरोना रोकथाम, नियन्त्रण तथा ईलाजमे विनियोजित रकम
रु. ३७ अर्ब ५३ करोड

काठमाण्डौमे ३०० बेड क्षमता आ प्रत्येक प्रदेशमे ५० शैया क्षमताके संक्रामक रोग अस्पताल बनाब
रु. १ अर्ब ३० करोड

स्थानीय तहमे ५, १० आ १५ शैयाके अस्पतालके सहयोग कर
रु. ६ अर्ब १५ करोड

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिडसँ सम्बन्धित

नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तरगत नि:शुल्क दवाईके लेल
रु.५ अर्ब ६० करोड

अखन सञ्चालनमे रहल विशिष्टिकृत अस्पतालके क्षमता विकास कर
रु. २ अर्ब २० करोड

स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमके लेल
रु. ७ अर्ब ५० करोड

आ.व. २०७८/७९ को जम्मा बजेट
रु. १६ खर्ब ४७ अर्ब

प्रत्यक्ष रुपमे कोभिडसँ सम्बन्धित बजेट प्रतिशतमे : **४.६%**

अप्रत्यक्ष रुपमे कोभिडसँ सम्बन्धित बजेट प्रतिशतमे : **०.९२%**

आ.व. २०७८/७९ के बजेट विशेष कलक कोभिड - १९ के असरके ध्यानमे रखैत विनियोजन कण्लगेल छै । तहु सँ जरुरत अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्रके कूल बजेटमे बृद्धि कण्लगेल छै । सरकारद्वारा कूल बजेटके २.२% कोरोना नियन्त्रण आ ईलाजके लेल बंटित केने छै त, १.६% बजेट खोप व्यवस्थापनके लेल बंटित कण्लगेल छै । अखनके महामारी सँ सामान्य अवस्थामे आबके लेल सरकारके ई पहल सकारात्मक छै । तहिना कल, अस्पतालसभ स्थापना केनाई, अस्पतालके क्षमता विस्तार केनाई आ सामाजिक स्वास्थ्य बीमा जेहन कार्यक्रम पक्के कोभिड - १९ विरुद्ध लड् सहयोग करतै ।

Source: https://mof.gov.np/uploads/document/file/Budget%20Speech%20(Final)%20Full_20210530100738.pdf

हल्ला आ तथ्य

सरकारद्वारा कोभिडके रोगीसभके ईलाजके नि:शुल्क कहैत छै, अस्पताल पैसा लेने विना ईलाज नै करैत छै । वास्तविकता कि छै ?

सरकारद्वारा सब सरकारी अस्पतालसभ आ किछ नीजि (सूची निचाके लिंकमे देखु) अस्पतालसभ संगे सम्झौता कल कोभिड - १९ के रोगीके नि:शुल्क ईलाजके व्यवस्था केने छै । ओहन अस्पतासभ कोनो भी रोगी या रोगीके नातेदार सँ सशुल्क सेवा लेब कहिक लिखित सहमती देलाके बाद मात्रे सम्बन्धित अस्पताल शुल्क लेब पाओत । लेकिन, आईसियुमे रहल रोगीके पीसीआर, रेम्डेसिभिर, प्लाज्मा थेरापी, सिटी स्क्यान आ एन्टिबायोटिक्स्सभ लेकिन नि:शुल्क सेवामे समावेश नै होईछै ।

Source: https://mohp.gov.np/attachments/article/745/MoU_with_Hospitals_updated_List.pdf

वैदेशिक रोजगारीमे जायवला आदमीके हकमे गन्तव्य राष्ट्रमे खोप लगेने अनिवार्य केने आ ओई देशमे जायके लेल भीसा लागल अवस्थामे नेपाल सरकार खोप देतै कहिक हल्ला छै ।

ओहन नै छै । वैदेशिक रोजगारीमे जायवला आदमीके श्रम स्वीकृती लेब आ निषेधाज्ञामे हवाईपटटी आवजायमे सहज केने छै । लेकिन, खोप अनिवार्य केने देशमे वैदेशिक रोजगारीमे जायवला नेपालीके खोपके प्राथमिकतामे नै राखल गेल छै । स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयके अनुसार, सरकारद्वारा बनाएलगेल पूर्व निर्धारित मापदण्डके प्राथमिकता आधारमे मात्रे उपलब्धताके आधारमे खोपके व्यवस्था कएलगेल छै ।

Source: https://www.mofaga.gov.np/news-notice/2401

हमरा कोरोनाके संक्रमण भलक निगेटिभ रिपोर्ट एला सेहो १० दिन भगेल । लेकिन, अखन फेरो थकान आ कमजोरी महसुस भलरहल अछि । कहि फेर संक्रमण त नै भेल?

कोभिड - १९ के संक्रमणसँ मुक्त भेलाके बाद सौ कनि कनि देह दुखेनाई या थकान महसुस भेनाई सामान्य छै । एकरा कोभिड बादमे समस्या सेहो कहल जाईछै । ई होबके मतलब फेर कोभिड भेनाइ नै छै आ एना भेलापर अस्पताले नै जाय परै छै । लेकिन, श्वास लेबमे कठिनाई भेलापर, बहुते कमजोरी महसुस भेलापर, कारी फुफरीके लक्षण देखेलापर या निराशाके लक्षण देखेलापर लेकिन चिकित्सकके सम्पकमे जायके चाही ।

Source: https://cutt.ly/snFJFDg

योजना आ कार्यान्वयन

लकडाउनमे स्वास्थ्यकर्मी द्वारा पारिश्रमिक, भत्ता आ सुरक्षा मांग करैत विरोध

वास्तवमे कोन बात सँ हमरासभके मृत्युके मुँहमे पहुँचारहल अछि ? विषाणु ? या भ्रष्टाचार, अप्रभावकारी व्यवस्था आ ईमान्दार नेतृत्वके कमी सँ ?

१४ मार्च, २०२०
कोभिड - १९ के पहिचान, रोकथाम, नियन्त्रण तथा ईलाजमे खटबला जनशक्तिके जोखिम भत्ता उपलब्ध कराबके मन्त्रिपरिषदके निर्णय

६ अप्रिल, २०२०
स्वास्थ्य स्वयंसेविकाके दिनके १५ सय प्रोत्साहन भत्ता देत

४ मे, २०२०
कोभिड - १९ के संक्रमितके ईलाजमे लागल जनशक्तिके जोखिम भत्ता व्यवस्थापन आदेश, २०७७ जारी

२० नोभेम्बर २०२०
संघ, प्रदेश आ स्थानीय तहमे समायोजन भलक कोभिड - १९ रोकथाम नियन्त्रणमे खटवला कर्मचारीके तलब, भक्ता भुक्तानी करत

६ जुन, २०२१
कोभिड - १९ के संक्रमणके ईलाजमे प्रत्यक्ष संलग्न स्वास्थ्यकर्मी आ आरो कर्मचारीके ५० प्रतिशत जोखिम भत्ता देत ।

पहिलो देशव्यापी लकडाउन :
२०७६ चैत्र ११ देखी श्रावण ७ गते सम्म

फेरी पनि केही जिल्लामा लकडाउन :
२०७७ श्रावण महिनाको मध्य देखी २०७७ असोज १ गते सम्म

प्राय सबै जिल्लामा कुनै न कुनै प्रकारको निषेधाज्ञा :
२०७८ बैशाख १३ गते देखी हाल सम्म

स्पष्टिकरण: यो तथ्यांक अनलाईन मिडिया, राष्ट्रिय दैनिकहरु, जिल्ला स्तरमा प्रकाशित हुने पत्रपत्रिकाहरु र नेपाल प्रहरीको वेवसाईटबाट संकलन गरी एकिकृत गरिएको हो । त्यसैले, यसले वास्तविक तथ्यांक भन्दा पनि तोकिएको समयमा सम्बन्धित घटनाको प्रवृत्तिलाई उजागर गर्दछ ।

कोभिड - १९ महामारीके सुरुवाती अवस्था सँ स्वास्थ्य सेवामे कार्यरत कर्मचारी पारिश्रमिक, भत्ता आ सुरक्षाके मांग करैत विरोध करैत आबिरहल अछि । उपरके मानचित्र देखबै त सेहो, सरकार १४ मार्च, २०२० मे स्वास्थ्यकर्मीके प्रोत्साहन करके योजना बनेने देखाईत अछि । लेकिन, अखन तक सेहो विरोधसभासभ नै रोकाएल छै । आँकडाके विश्लेषण करबै त एहन विरोधके घटनासभ बन्दाबन्दीके समयमे बढल देखाईत छै । यद्यपी सरकार स्वास्थ्यकर्मीके मांग पुरा कर समय समयमे निर्णयसभ करहल छै, लेकिन तैयो विरोधके घटना किया कम नै भलरहल छै ? कि सरकारद्वारा कएलगेल निर्णयसभ विरोधकर्ताके मांग पुरा करके लेल पर्याप्त नै छै ? या, १ वर्ष वितलाके बाद सेहो निणर्य कार्यान्वयन नै भेल छै ? अई संगे स्वास्थ्यकर्मी उपर भेल आक्रमण विरुद्ध सेहो विरोधसभासभ भेल छै, लेकिन सरकार अई विषयमे खासे ठोस निर्णय केने नै देखाईत छै । जँ सरकार स्वास्थ्यकर्मीके उचित सुरक्षाके प्रत्याभुति देब नै सकत त, केना अपनासभके स्वास्थ्य संयन्त्र प्रभावकारी रुपमे काम कर सकत ?

Source: https://nepalmonitor.org/

श्रमिक संगी

Shramik Sanjal

ओमनमे नेपाली दूतावास घुम्ति शिविर सञ्चालन करतै

यूएई:

• आबुधावीमे आब कोई भी कोभिड विरुद्धके खोप लगाब पाओत । पहिले ईमिरेट्स आईडी भेलसभ मात्रे खोप लगाब पाबैत छलै । भिजिट भिषामे भेल अवस्थामे सेहो कोरोना विरुद्धके खोप लगाब पाओत । पासपोर्ट आ म्याद खतम भेल भिषा लल्लक गेलापर सेहो ई सुविधा उपलब्ध होब सकलाके कारण अपन नाम लिखाब सकैछी ।

• आबुधावीमे मल, सिनेमा हल जेहन सार्वजानिक जगहपर केलापर अल हस्न मोवाईल एप (Al Hosn Mobile App) मे हरियर अवस्था देखाय परतै । एना नै देखेलापर ओइ क्षेत्रसभमे प्रवेश रोक लगाएल जेतै

• हालसाले यूएईमे भेल सर्वेक्षण अनुसार कोभिड बिरुद्धके दुनु खोराक खोप लगा चुकल आदमीसभके मृत्युदर ०% देखाएल छै । जँ कोरोनाके संक्रमण भईयो जाई त जोखिम नै भेल अनुसन्धानसँ देखलगेल छै ।

साउदी अरब:

अगाष्त १ सँ कोभिड विरुद्धके खोप नै लगेनेसभके कोनो भी खरिददारी करवला मल सभमे प्रवेश निषेध कएलजेतै । प्रवेश पावके लेल कम्तिमे सेहो एक खोराक लगेनहे होबके चाही ।

ओमन:

नेपाली दूतावासलद्वारा जुन २५ शुक्रदिन दोफार प्रशासनिक क्षेत्रमे घुम्ति शिविर सञ्चालन कर लागल छै । घुम्ति शिविर सँ राहदानी नविकरण, अधिकृत वारेसनामा लगायत श्रमिकसँ सम्बन्धीत अत्यावश्यक वाणिज्यदूत सम्बन्धि सेवासभ प्रदान कएल जेतै ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

खिस्सा किनाराके

कोभिड हिरो डा.गगनराज चौधरी

दोधारा चादँनी नगरपालिका, भारतीय सिमानाकासँ जुटल नगरपालिका छै । एतके अधिकाशं नागरिकसभ रोजगारीके लेल भारत जाईत अछि । प्राय: भारतीय रुपैया चलवला अई नगरपालिकामे नेपाल बन्द भेलाके बादो कहियो बन्द नै होईछै । कोभीड - १९ के पहिल लहरमे कएलगेल बन्दाबन्दीमे समेत खासे असर नै केने अई क्षेत्रमे जखन दोसर लहरमे संक्रमण आ मृत्यूदर बढ्लै, तखन एतके आदमीसभ अपने सजग भलक बन्दाबन्दीके पालना कर लागल । एहिठमके दोधारा चादँनी स्वास्थ्य केन्द्रमे कार्यरत छैथ डा.गगनराज चौधरी ।

कोभिडके पहिल लहरके संक्रमण फैललापर प्राय: सबदिश श्रोतसाधन आ जनशक्तिके अभाव छलै । अई क्षेत्रमे आरो किन्हको ध्यान नै गेलाके कारण आरो जगह सँ एत समस्या बेसी छलै । रोजगारीके लेल बाहर गेलसभ धमाधम घर फिर्ता आब लागला संगे संक्रमण सेहो फैल लगलै । जनशक्तिके चरम अभाव भेल अई स्वास्थ्य केन्द्रमे दिनानुदिन संक्रमित थपाईत गेलै । रोगी राखवला शैया सँ लल्लक दवाई लगायत स्वास्थ्यकर्मीके लेल जरुरतके पिपिई समेत नै छलै । लेकिन, डा. चौधरी हार नै मानलाह । ऊ रोगीसभके मनोबल उच्च राख सँ लल्लक जरुरी दवाई आ स्वास्थ्यके सामानसभके लेल अपने बेर बेर पहल केलैथ । ऊ कहैत छैथ,

> "कोभिडके पहिल लहर एलापर हमरासभलग पिपिई अभाव भेलापर उपर सँ बरसाती आ प्लाष्टिकके सिलाई कल्लक पिपिई बनेलौ आ निचा गमबुट लगाक सेहो रोगीसभके सेवा देलौ ।

अस्पताल नजिके आवास क्षेत्र देखे छल, लेकिन ओत जायके सेहो समय नै छल ।" ऊ चौबिसो घण्टा रोगीसभ संगे स्वास्थ्य केन्द्रमे रहैत छलैथ । हुनकर खायके रहके कोनो ठेकान नै होईछलै ।

कोभिडके पहिल लहरमे स्वास्थ्य केन्द्रमे आबवला किन्हको भी जान नै गुमाब परल । दोसर लहरके संक्रमण सँ किछके जान गुमाब परलोपर सेहो आरो क्षेत्र सँ एतके मृत्युदर कम छै । तै सँ सेहो अखन आरो जिला आ नगरपालिकासँ समेत रोगीसभ चिकित्सक चौधरीके खोजैत एत अबैत छैथ । दिनके १० टा रोगी समेत नै आबवला स्वास्थ्यकेन्द्रमे अखन डा. चौधरी प्रत्येक दिन १५० सँ बेसी रोगीसभके सेवा दलरहल छैथ हुनकर कामके उच्च मूल्यांकन करैत, सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार हुनका कोभिड हिरोके रुपमे सम्मान समेत केने छै ।

भोइसेस आउट लाउड - हमर बात

वितल कार्तिकमे हमरा सेहो कोरोना संक्रमण भेल । निमोनिया सहितके लक्षण देखेलापर ७ नि अस्पतालेमे रहिक ईलाज कराब पइल । दोसरके रोगीके ईलाज कराबकाल ढडास दैत छलौ, लेकिन अपने संक्रमण भेलापर निक नै हेतै कि कहिक डर छल । तखन पता लागल, वास्तवमे ई कते डराबना होईछै कहिक । हम दुनु मात्रा खोप लगेलाके बाद किछ सुरक्षित महसुस केने छी । अई सँ सुरक्षित होबके अन्तिम विकल्पे खोप छै । सबके खोप नै लगेलातक स्वास्थ्य सुरक्षाके मापदण्ड पालना केनाई बहुते जरुरी छै ।

डा. बिनोद पराजुली

बरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ,
आम्दा अस्पताल, बुटवल

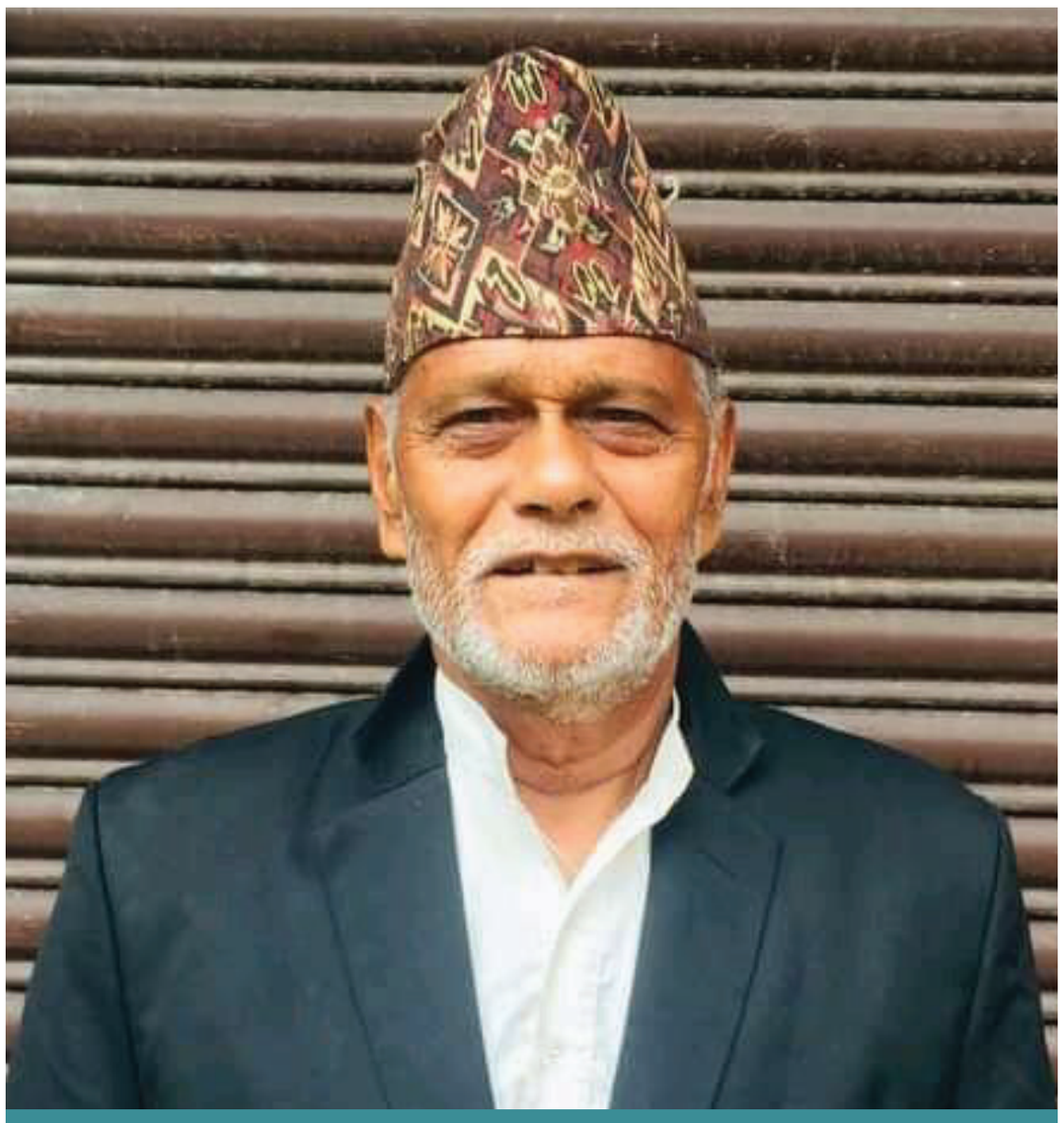

हिम बहादुर खत्री

बडाध्यक्ष, वडा नं. १९,
बुटवल उप-महानगरपालिका

वितल फागुनमे कोरोना संक्रमणके कारण ६ दिन अस्पतालम रह पइल । कोरोना संक्रमण भेलाके कारण कोभिशिल्ड लगाब नै सकलौ, लेकिन अखन भेरोसेलके पहिल खुराक लगेने छी । कोरोना विरुद्धके खोप सर्वसुलभ नै करेतै त, फेर दोसर लहर एलापर समस्या हेतै । खोपमे दलिय आ कर्मचारी भागबण्डा नै होबके चाही । मापदण्ड अनुसारे खोप लगाबके चाही । कोरोनाके तेसर लहरके चेतावनी देलगेल छै, लेकिन पूर्व तैयारी सुस्त छै । जनप्रतिनिधी भेलाके कारण बैसारमे सुझाब दैत छी, लेकिन सुनवाई नै होईछै । तै सँ अखन त उप-महानगरपालिके बैसारमे सेहो जायके मन नै करैय ।

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स *एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी ग़लत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।*

कोभिड - १९ मात्रे स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्रे नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org
Phone: 9851203219